Date
Page

(1) फाउन्डेशन स्टेज

पहले तीन साल बच्चे आंगनबाड़ी मे प्री-स्कूलिंग शिक्षा लेंगे। फिर अगले दो साल कक्षा – एक मे एवं दो पढ़ेंगे इन पांच सालो की पढाई के लिए एक नया पाठ्यक्रम तैयार होगा मोटे तौर पर एक्टीविटी आधारित शिक्षण पर ध्यान रहेगा। इसमे ०३ से ०८ साल तक के बच्चे कवर होंगे इस प्रकार की पढाई के पहले पांच साल का चरण पूरा होगा

2 प्री प्रेप्री स्टेज →

इस चरण में कक्षा तीन से पांच तक की पढाई होगी इस दौरान प्रयोगो के जरिये बच्चो को विज्ञान, गणित, कला आदि की पढाई कराई जायेगी आठ से ११ वर्ष तक की उम्र के बच्चो को इसमे कवर किया जायेगा।

Date
Page

(3) मिडिल स्टेज →

इसमे कक्षा 6-8 की कक्षाओ की पढाई होगी तथा 11-14 वर्ष की उम्र के बच्चो को कवर किया जायेगा। कक्षा 06 से कौशल विकास कोर्स भी शुरु हो जायेगा।

(4) सेकेन्डरी स्टेज →

कक्षा 09-12 की पढाई दो चरणो मे होगी। जिसमें विषय का गहन अध्ययन कराया जायेगा विषयो को चुनने की आजादी होगी

प्रमुख बाते →

केन्द्र सरकार का लक्ष्य है वर्ष 2030 तक हर बच्चे के लिए शिक्षा सुनिश्चित की जाए जो पुरानी शिक्षानीति से सम्भव नही था। इस पॉलिसी को लाना बहुत जरूरी था इसके लिए इनरोलमेन्ट को लाने का 100% लक्ष्य सरकार रखेगी

लाइक स्कील

हर बच्चे के पास लाइफ स्कील भी होगी जिससे वो जिस क्षेत्र में काम शुरू करना चाहे तो वो आसानी से शुरू कर सकता

⇒ साल 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100% Gross Enrollment Ratio के साथ माध्यमिक स्तर तक Education for All का लक्ष्य रखा गया है।

→ अभी भी 2 करोड़ ऐसे बच्चे है। जो कभी स्कूल नही गये। ऐसे बच्चों को मुख्य धारा मे लाने के लिए स्कूल की बुनियादी ढाँचे का विकास और नवीन शिक्षा केन्द्रो की स्थापना की जायेगी

⇒ स्कूली पाठ्यक्रम के 10+2 ढाँचे की जगह 5+3+3+4 का नया पाठ्यक्रम संरचना लागू किया जायेगा। जो क्रमश: 3-8, 8-11, 11-14 और 14-18 उम्र के बच्चो के लिए है।

Date

Page

नई प्रणाली →

इसमे प्री स्कूलिंग के 12 साल की स्कूली शिक्षा और 3 साल की आंगनवाड़ी होगी इसके तहत छात्रों की शुरुआती स्टेज की पढ़ाई के लिए तीन साल की प्री-प्राइमरी और पहली तथा दूसरी क्लास को रखा गया है। इसके बाद मिडिल स्कूल आना 6-8 कक्षा में सब्जेक्ट का इंट्रोडक्शन कराया जायेगा। सभी छात्र केवल तीसरी, चौथी, पांचवी क्लास को रखा गया है। इसके बाद मिडिल यानी 6-8 कक्षा मे सबजेक्ट का इन्ट्रोडक्सन कराया जायेगा सभी छात्र केवल तीसरी, पांचवी और आठवी कक्षा मे परीक्षा देगे 10 वी और 12 वी की बोर्ड परीक्षा पहले की तरह जारी रहेगी। लेकिन बच्चो के समग्र विकास के लक्ष्य को ध्यान मे रखते हुए नया स्वरूप दिया जायेगा एक नया राष्ट्रीय आकलन केन्द्र एक मानक निकाय के रूप मे रखा जायेगा।

Date
Page

मुख्य बातें

केन्द्र सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष - 2030 तक 100% तक शिक्षा सुनिश्चित की जाय जो पुरानी शिक्षा नीति से सम्भव नहीं था इसलिए पालिसी को लाना बहुत जरूरी था। इसलिए एनरोलमेन्ट को 100% तक लाने का लक्ष्य भी सरकार ने रखा है। इसके अलावा स्कूली शिक्षा निकलने के बाद हर बच्चे के पास लाइफ स्कील भी होगी जिससे वे शिक्षा के क्षेत्र में काम करना चाहे तो आसानी से कर सकता है। इसके अलावा इस नई एजुकेशन पालिसी में निम्न बातों पर जोर दिया गया है। जो आने वाले समय में बहुत लाभ दायक होगी

नई शिक्षा नीति में पांचवी तक शिक्षा मातृ भाषा में दी जाय इसे अष्टम या उससे ऊपर भी कराई जाय अन्य विदेशी भाषा की पढ़ाई सेकेण्डरी लेवल से शुरू किया जाय